

सुनके करुण पुकार मेरी माँ - दौड़ी दौड़ी आई है ।  
नौ बहिनों को साथ लिए और लखों खुशियाँ लाई है ॥

① पहला रूप श्रीकृष्ण माता - नाम तेरा सैताप मिटाता  
दूजा रूप ब्रम्हचारिणी माता - सुमरण से आनन्द है आता  
दोलक, मौक, मंजीरा बाजे - गूँज उठी शहराई है - नौ बहिनों -  
सुनके करुण पुकार - नौ बहिनों को -

② तीजा रूप चन्द्रघण्टा माता - माँ है सबकी भाग विधाता  
चौथा रूप कुम्भाढा माता - माँ जगजननी और जगमाता  
दशौ दिशाये भूम रही है, स्वर लखी लखई है - नौ बहिनों -  
सुनके करुण पुकार - नौ बहिनों को -

③ पाँचवाँ रूप रक्तन्द माता - तेरी महिमा वेद सुनाता  
छहवाँ रूप कोट्यायनी माता - जिस दिन तुमको माँ में दयाता  
तेरी घबो अन्न दामय - दिल में मेरे समाई है - नौ बहिनों -  
सुनके करुण पुकार - नौ बहिनों को -

④ सातवाँ रूप कालशायी माता - काल भी तुमसे है भय खाता  
अठवाँ रूप महागौरी माता - जग कल्याणी आप ही माता  
आके दर्शन दिये हैं मुझको - प्रेम सुधा वर्षाई है - नौ बहिनों -  
सुनके करुण पुकार - नौ बहिनों को -

⑤ नौवाँ रूप सिद्धदात्री माता - शेर शेरकर तेरी भेंट जाता  
"श्री लला श्री" के भाग हैं जगि - नौ रूप सनमुख हैं अगि  
श्री चरणों को पाकर मैंने - दिल में ज्योत जगाई है - नौ बहिनों -  
सुनके करुण पुकार - नौ बहिनों को -